धरती माँ के लिए प्रार्थना

हे परम ब्रह्म
दैविक पिता, दैविक माता
मेरी उच्चतम आत्मा
मेरे आध्यात्मिक मार्गदर्शकों, सहायकों एवं गुरुजनो
समस्त आध्यात्मिक मार्गदर्शकों, सहायकों एवं गुरुजनो
समस्त उपचारात्मक देवदूतों
धरती माँ के दिव्य रक्षक
धरती माँ के समस्त प्राकृतिक जीव
महान कर्म मंडल

मैं विनम्रतापूर्वक दिव्य क्षमा का आह्वान करता हूँ कि मैं धरती माँ पर ईश्वर के आशीर्वाद का साधन बना हूँ
ईश्वर आप मेरा तदनुसार मार्गदर्शन करें व मुझे सुरक्षा प्रदान करें

मैं वह हूँ जो मैं हूँ
धरती माँ पर दिव्य प्रकाश, दिव्य शक्ति व दिव्य विवेक बना रहे
दिव्य प्रकाश उन सभी नकारात्मक ऊर्जाओं को प्रज्वलित कर डाले जो धरती माँ पर एकता व एकात्मकता को रोक रहीं हैं

धरती माँ पर शांति व सदभावना बनी रहे
धरती माँ पर धन, धान्य व जल कि प्रचुरता हो
धरती माँ का प्रत्यावर्तन हो व उसको नया जीवन मिले

सभी जीवों में प्रेम, दया, करुणा, आनंद व आध्यात्म कि प्रचुरता हो
धरती माँ पर ईश्वर के नाम की ज्योति को जलाये रखने वाले सभी लोगों पर दिव्य प्रकाश, दिव्य शक्ति, दिव्य विवेक व दिव्य ज्ञान का आशीर्वाद बना रहे
ईश्वर सभी के अंदर से डर व संशय को दूर करें व सभी जीवों में एकात्मकता जागृत करें
हे ईश्वर आपका, धन्यवाद, धन्यवाद, धन्यवाद

Copyright @ All rights reserved

पूजा स्थल - मंदिर आदि के लिए प्रार्थना

हे परम ब्रह्म
दैविक पिता, दैविक माता
मेरी उच्चतम आत्मा
मेरे आध्यात्मिक मार्गदर्शकों, सहायकों, व गुरुजनो
समस्त आध्यात्मिक आध्यात्मिक मार्गदर्शकों, सहायकों, व गुरुजनो
समस्त उपचारात्मक देवदूतों एवं दैविक जीव
महान कर्म मंडल
हे ईश्वर मैं विनम्रतापूर्वक दिव्य आशीर्वाद का आह्वान करता हूँ
कि मैं इस स्थान पर आपके आशीर्वाद का साधन बना हूँ
आप मेरा तदनुसार मार्गदर्शन करें व मुझे सुरक्षा प्रदान करें
मैं वह हूँ जो मैं हूँ
इस स्थान पर दिव्य प्रकाश कि प्रचुरता हो
दिव्य प्रकाश,दिव्य अग्नि बनकर सम्पूर्ण नकारत्मक ऊर्जा को प्रज्वलित कर उसे दिव्य प्रकाश में परिवर्तित कर डालें
यह दिव्य अग्नि इस स्थान के कोने-कोने में प्रवाहित हो
यहाँ अग्नि हो, अग्नि हो, अग्नि हो, केवल दिव्य अग्नि हो
इस स्थान पर आशीर्वाद हो कि यहाँ दिव्य प्रेम, दिव्य करुणा, दिव्य दया कि प्रचुरता हो, उपचारात्मक ऊर्जाओं कि प्रचुरता हो, सम्पन्नता, प्रसन्नता, दैविक सामंजस्यता कि प्रचुरता हो ,आध्यात्मिकता एवं दिव्य आनंद हो
सभी के अंदर से हर प्रकार का डर एवं संशय दूर करें
जो भी यहाँ उपचार के लिए आये,उसे आरोग्य प्राप्त हो
सभी को विवेक व ज्ञान का आशीर्वाद प्राप्त हो
सब दुखों की जगह, प्रसन्नता व आनंद भर जाएँ
सभी को सम्पन्नता कि प्रचुरता का आशीर्वाद प्राप्त हो
सभी लोग दूसरों को देने के लिए व बाँटने के लिए तत्पर रहें
सभी में एकात्मकता हो
सब के दिलों में शांति, सदभावना एवं एकता हो
यहाँ उपस्थित सभी दिव्य जीवों को दिव्य प्रकाश, दिव्य शक्ति, दिव्य प्रेम, दिव्य करुणा, दिव्य दया, दिव्य विवेक, दिव्य ज्ञान ओर आध्यात्मिकता कि प्रचुरता का आशीर्वाद प्राप्त हो
यहाँ के कार्यवाहकों को दिव्य मार्गदर्शन का आशीर्वाद मिले जिससे वह अपना काम पूरी सच्चाई एवं पवित्र भाव से करें
हे ईश्वर आपका, धन्यवाद, धन्यवाद, धन्यवाद

Copyright @ All rights reserved

आध्यात्मिक प्रार्थना

अपनी आध्यात्मिक शक्ति की वृद्धि हेतु
एवं
अपनी उच्चतम आत्मा से संपर्क स्थापित करने हेतु

www.pranavioletheling.com

Copyright @ All rights reserved

(यह पढ़ते समय दिव्य अग्नि को अपनी ओर आने दें व इस दिव्य अग्नि को अपने आपको चारों ओर से घेरने दें।)

मैं दिव्य अग्नि का जीव हूँ
मैं वह पवित्रता हूँ जिसकी ईश्वर अभिलाषा करते हैं

(३ मिनिट या अधिक जरुरत अनुसार दिन में कितनी भी बार पढ़ सकते हैं)

(यह दो लाइने आप अपने घर, ऑफिस, गांव, शहर, देश, पति, पत्नी, बच्चों, व अन्य किसी भी व्यक्ति के लिए भी बोल सकते हैं, जैसे," मेरा घर दिव्य अग्नि का स्थान है,

मेरा घर वह पवित्रता है जिसकी ईश्वर अभिलाषा करते हैं")

(प्रत्येक को १ मिनट के लिए करें।)

धरती, आकाश ओर समुद्र के प्राकृतिक जीव दिव्य अग्नि के जीव हैं
धरती,आकाश ओर समुद्र के प्राकृतिक जीव वह पवित्रता है जिसकी ईश्वर अभिलाषा करते हैं (१ मिनट)

धरती माँ दिव्य अग्नि का ग्रह हैं
धरती माँ वह पवित्रता है जिसकी ईश्वर अभिलाषा करते हैं (१ मिनट)

हमारे चंद्रमा दिव्य अग्नि के उपग्रह हैं
हमारे चंद्रमा वह पवित्रता है जिसकी ईश्वर अभिलाषा करते हैं (१ मिनट)

हमारे सूर्य दिव्य अग्नि के सितारे हैं
हमारे सूर्य वह पवित्रता है जिसकी ईश्वर अभिलाषा करते हैं (१ मिनट)

Copyright @ All rights reserved

मैं हूँ

मैं यह भौतिक शरीर नहीं हूँ
मैं वह हूँ जो मैं हूँ (७ सेकंड शांत रहिये)

मैं यह गलत भावना नहीं हूँ
मैं वह हूँ जो मैं हूँ (७ सेकंड शांत रहिये)

मैं यह गलत विचार नहीं हूँ
मैं वह हूँ जो मैं हूँ (७ सेकंड शांत रहिये)

मैं यह विचलित मन नहीं हूँ
मैं वह हूँ जो मैं हूँ (७ सेकंड शांत रहिये)

मैं एक आत्मा हूँ, मेरा शरीर मेरी आत्मा का मंदिर हैं,
मैं एक दिव्य चिंगारी हूँ, ईश्वर मेरे विधाता हैं,
मैं ईश्वर के साथ जुड़ा हुआ हुँ

दिन प्रतिदिन मैं अपने कर्मों का संतुलन कर रहा / रही हूँ
मैं इस दिव्य निर्देशन व योजना का स्वीकार कर रहा/रही हूँ
मैं ईश्वर की बनाई परिपूर्ण कृति, तन - मन - आत्मा रूप में व्यक्त हूँ

मैं ईश्वर की पवित्रता हूँ एवं ईश्वर का प्रतिरूप हूँ
मैं वह पवित्रता हूँ जिसकी ईश्वर अभिलाषा करते हैं
मैं वह हूँ जो मैं हूँ (३ बार)

मैं इश्वर के साथ जुड़ा हूँ, मैं सभी के साथ जुड़ा हूँ

Copyright @ All rights reserved

मैं रोशनी हूँ

मैं रोशनी हूँ, मैं उज्वल रोशनी, प्रचंड रोशनी, प्रस्फुटित होती हुई रोशनी

ईश्वर मेरे अंदर के अंधकार का क्षय कर
उसे रोशनी में परिवर्तित कर रहे हैं

आज के दिन मैं सार्वलौकिक सूर्य का केंद्रबिंदु हूँ
मेरे अंदर से होकर एक निर्मल नदी बहती हैं
मैं रोशनी का ऐसा जिवंत फुव्वारा हूँ जो इंसानी भावनाओं ओर विचारधारा से पर हूँ

मैं ईश्वर की दूरस्थ सीमाचौकी हूँ
मैं रोशनी की ऐसी शक्तिशाली नदी हूँ जो उस अंधकार को निगल जाएगी जिसने मेरा गलत इस्तेमाल किया

मैं रोशनी, मैं रोशनी, मैं रोशनी हूँ
मैं रोशनी में रहता हूँ, रहता हूँ, रहता हूँ,

मेरा पूर्ण आयाम रोशनी हैं
मेरा पूर्ण अभिप्राय रोशनी हैं

मैं रोशनी, मैं रोशनी, मैं रोशनी हूँ

मैं दुनिया में जहाँ भी जाता हूँ, वहां रोशनी की बाढ़ ले आता हूँ

ईश्वर का आशीष सब तक पहुँचता हूँ, ईश्वर के राज्य का उद्देश्य मजबूत करता हूँ व इस उद्देश्य को सब तक पहुंचाता हूँ

मैं रोशनी, मैं रोशनी, मैं रोशनी हूँ

Copyright @ All rights reserved